

ईमाम जाफर सादिक (अ:स) ने फरमाया : :

अगर हमारा कोई शिया ईमाम हुसैन (अ:स) की ज़्यारत को जाता है तो उसके लौटने के वक़्त तक उसके सारे गुनाह माफ़ कर दिये जाते हैं! उसके या उसके सवारी के हर एक कदम जो उसे ज़्यारत की तरफ ले जाते हैं, उसके लिए 1000 सवाब लिखे जाते हैं, उसके 1000 गुनाह माफ़ किये जाते हैं और उसका दर्जा 1000 गुना बढ़ जाता है!

(बेहारुल अनवार वोल 101, पेज 25, हदीस 26)

ईमाम हुसैन

(उनपर शान्ति और आशीर्वाद हो)

की ज़्यारत को पैदल जाने के लिए एक गाईड

लाखों लोग ईमाम हुसैन (अ:स) की ज़्यारत के लिए कर्बला की तरफ पैदल जा रहे हैं! क्या आप उनमें शामिल होना चाहते हैं? आप नजफ़ से कर्बला तक की इस अनहोनी यात्रा में कैसे शामिल हो सकते इसे समझने के लिए पढ़ें...

आवश्यक तथ्य :

कुल दूरी	80 की०मी०
कुल पोल	1452 पोल
दो पोलों के बीच की दूरी	50 मीटर (20 पोल = 1 की०मी०)
चलने के समय की आवश्यकता	20 से 25 घंटे
यात्रा के लिए अनुमानित समय	2 से 3 दिन
शुरू करने का सही समय	16 सफ़र
यात्रा समाप्ति का अपेक्षित समय	18 सफ़र
कौन यात्रा कर सकता है?	सभी (पुरुष/सत्री/बच्चे/परिवार सहित)

निर्देश:

ईमाम अली (अ:स) के रौज़े के बाब-उल-सा'आ (घड़ियाली दरवाज़े) से बाहर निकल कर ईमाम ज़ैनुल आबेदीन (अ:स) सड़क या ईमाम जाफ़र सादिक (अ:स) सड़क पर सीधा चलना शुरू करें! यह सड़क आपको सीधा राजमार्ग/हाईवे पर ले जायेगी! वहाँ से आप बाईं तरफ मुड़ें, आपको हज़ारों के संख्या में लोग पैदल कर्बला जाते हुए मिलेंगे, आप इन लोगों के समूह चलना शुरू करें जो आपको लगभग 75 की०मी० की दूरी तय करने के बाद पोल न० 1452, हज़रत अब्बास (अ:स) के रौज़े पर पहुंचा देगी!.

चलने के लिए दिशा निर्देश / गाइड लाइन:

- फज़ के बाद चलना शुरू करें और मगरिब के बाद विश्राम करें
- पहली रात किसी एक मवाकिब (हुसैनिया कैम्प) पोलो न० 500 के समीप और दूसरी रात पोल न० 1000 के समीप मवाकिब (हुसैनिया कैम्प) में बिताएं
- करीबन 100 पोल की दूरी तय करने के बाद 5-10 मिनट के विश्राम लें और अपने परिवार/दोस्त या समूह के फिर साथ हो लें
- चलने के दौरान अपने आपको ज्यादा कठिन परिश्रम में न डालें, और आवश्यकता अनुसार विश्राम ज़रूर करें
- मगरिब के समय अपने सोने के लिए किसी एक मवाकिब (हुसैनिया कैम्प) में जगह ले लें, जो की वहाँ बहुत अधिक संख्या में है और आपको कोई चिंता नहीं होनी चाहिए
- भीड़ में खोये हुए लोगों को ढूँढने के लिए पोल न० 72, 335, 602, 1103 और हज़रत अब्बास (अ:स) के रौज़े पर विशेष केंद्र हैं, हर 3 की०मी० पर इनके रिपोर्टिंग केंद्र हैं

अपने साथ क्या सामान ले जाएँ?

- कोशिश करें की आपके साथ ज़्यादा सामान का भार नहीं हो! खाने पीने की कोई सामग्री न रखें क्योंकि रास्ते में इसकी बहुतायात है!
- 2-3 दिनों के लिए अपनी ज़रूरी दवाएँ रख लें! रास्ते में काफ़ी संख्या में क्लीनिक और दवा की दुकान मौजूद होती हैं
- हाथ वाले बैग और महिला पर्स की जगह हलके वज़न का पीठ वाला बैग लें
- सर्दी से बचने के लिए गर्म कपड़े जैसे मोज़े, दस्ताने, टोपी, जैकेट और कान ढंकने के कपड़े ज़रूर लें
- अगर आपक चेहरे पर खराश आती है तो एक क्रीम ज़रूर रखें
- पॉकेट साइज़ कुरान, दुआ, ज़यारत की किताब रखें, अच्छा हो यदि आप इसे अपने मोबाइल पर डाउनलोड कर लें ताकि आप चलने के दौरान पढ़ और सुन सकें
- नए या भारी जूते की जगह हलके पुराने और आरामदायक जूते पहनें
- पासपोर्ट / मोबाइल चार्जर

महत्वपूर्ण नोट्स :

- सभी सुविधाएं जैसे ठहरना, खाना पीना, और ज़रूरत पड़ने पर मालिश निःशुल्क (मुफ्त) हैं! आपको ज़्यादा नकद (पैसे) ले जाने की ज़रूरत नहीं, सिवाय इसके की अगर आप मवाकिब (हुसैनिया कैम्प) में कुछ दान देना चाहते हैं!
- स्नानघर और शौच रास्ते भर में है और मवाकिब में पश्चिमी शौच भी उपलब्ध है!
- आप रास्ता तय होने की चिंता नहीं करें, अगर आपको रास्ते में लगता है की आप पैदल नहीं चल सकेंगे तो आप वहाँ मौजूद वैन, कार, बस इत्यादि लेकर कर्बला जा सकते हैं जो वहाँ सैकड़ों की संख्या में होते हैं
- 10 साल से अधिक का एक साधारण आदमी 99.99% यात्रा के तीसरे दिन बगैर किसी तकलीफ़ के पूरी दूरी तय कर लेता है
- कर्बला में अपने होटल का नाम और पता ज़रूर सुनिश्चित कर लें
- अगर आप कोई फ़ोन करना चाहते हों तो फ़ज़ के पहले करें, क्योंकि दिन के समय नेटवर्क अत्यधिक बिज़ी होता है

अयातुल्लाह

- वोह लोग जो ईमाम हुसैन (अ:स) की सेवा करना चाहते हैं, उन्हीं शुद्ध रूप से अल्लाह की निकटता प्राप्त करने के लिए सेवा करनी चाहिए
- अपनी नमाज़ को समय पर पढ़ें क्योंकि ईमाम हुसैन (अ:स) ने अपनी कुर्बानी ईसी के लिए दी है! और वाजिब काम को मुस्तहब कामों पर प्राथमिकता दें
- दुखों और ग़मों का माहौल बनाएं और हँसे या अपने दांत निकाल कर मुस्कराए नहीं
- अपनी यात्रा के दौरान "**सुभान अल्लाह, ला इलाहा इलल'लाह**" और "**अल्लाहो अकबर**" पढ़ते रहे यह सबसे बेहतरीन ज़िक्र है! "तो अपने आप के लिए प्रावधान करो (अगले जीवन), निश्चित रूप से प्रावधान खुद की रखवाली के लिए है" (सुरा: अल'बक्रा:197), जैसे कुरान, दुआ और ज़यारत
- खाने पीने की सामग्री बर्बाद न करें! मवाकिब के मालिक इसका ध्यान रखें और यात्रियों को भी इसका ख़ास ध्यान रखना चाहिए!
- इस पवित्र शहर के सार्वजनिक स्थान की स्वच्छता को बनाएं रखें
- ईमाम अल-मेहदी (अ:त:फ़) की तरफ से ज़यारत पढ़ना याद रखें और इनके (अ:त:फ़) जल्दी ज़हर के लिए दुआ करें.

महत्वपूर्ण संपर्क न०:

आपात स्थिति	104
लापता व्यक्ति	0780 13 00 561
धार्मिक पत्र	0781 46 51 353
केंद्रीय कार्यालय	0780 10 04 758

ईमाम हुसैन (अ:स) तक चल कर जाने का प्रयास एक करने लायक अनुभव है!



कृपया इस गाइड का ध्यान रखें क्योंकि इसमें अल्लाह और इमामों (अ:स) के नाम हैं।